

Roll No.

MAHI-09

Peasant Movements in India (1818-1951)

[भारत में किसान आन्दोलन (1818 से 1951)]

M. A. History (MAHI-10/16)

Second Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

Note : This paper is of **eighty (80)** marks containing **three (03)** Sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section-A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of nineteen (19) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Shed light on peasant movements in later half of 19th Century in India.

भारत में उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुए किसान आन्दोलनों पर प्रकाश डालिए।

2. Explain agrarian structure under diarchy.

द्वैध शासन व्यवस्था के अन्तर्गत कृषि संरचना की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the reasons and consequences of Bheel revolt.

भील विद्रोह के कारण और परिणामों की व्याख्या कीजिए।

4. Describe the Deccan's peasant movements.

दक्षिण भारत के कृषक आन्दोलनों का वर्णन कीजिए।

Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Write short notes on the following :

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

1. Peasant revolt before 1857.
1857 के पूर्व किसान विद्रोह।
2. Permanent Settlement.
स्थायी बन्दोबस्त।
3. Santhal Revolt.
संथाल विद्रोह।
4. What was Tenancy Act ?
टेनेन्सी कानून क्या था ?
5. Why was 'Deccan Riots Commission' set up ?
'दक्खन विद्रोह आयोग' की स्थापना क्यों की गई ?
6. Peasant movement of Bardoli.
बारदोली का किसान आन्दोलन।
7. Explain the reasons for Bijoliya Peasant Movement.
बिजोलिया किसान आन्दोलन के कारण बताइये।
8. Akali Movement in the beginning of 20th Century.
बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में अकाली आन्दोलन।

Section-C / खण्ड-ग**(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)**

Note : Section 'C' contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this Section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Indicate whether the following are True or False :

इंगित कीजिए कि निम्नलिखित सत्य हैं या असत्य :

1. Diarchy in Bengal was abolished in the year 1772.
बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली 1772 में समाप्त की गई थी।
2. In Ryotwari settlement, village was considered a unit to fix revenue.
रैयतवाड़ी व्यवस्था में गाँव को इकाई मानकर राजस्व निश्चित किया गया था।
3. Pabna and Begura are the areas of South India.
पाबना और बेगुरा दक्षिण भारत के क्षेत्र हैं।
4. The main reason behind Champaran Movement was Tinkathia System.
चम्पारन विद्रोह का मुख्य कारण तिनकठिया पद्धति थी।
5. Kalipraj Literature was written by Vallabh Bhai Patel.
कालिपराज साहित्य की रचना बल्लभ भाई पटेल ने की थी।

Fill in the blanks :

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. Mohmamad Raza Khan was appointed Diwan of by East India Company.

ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने मुहम्मद रजा खाँ को का दीवान नियुक्त किया था।

7. The word 'Diku' used by the Santhal means

संथाल जनजाति द्वारा प्रयुक्त 'डिक्कू' शब्द का अर्थ होता है।

8. The Indigo Commission was commissioned in the year

नील आयोग की नियुक्ति सन् में हुई थी।

9. Vasudev Balwant Phadke started his movement against the Britishers in the year

वासुदेव बलवन्त फडके ने सन् में अंग्रेजों के खिलाफ आन्दोलन प्रारम्भ किया था।

10. The leaders of workers and peasants party were

वर्कर्स एण्ड पीजेन्ट पार्टी के नेता थे।